BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करुणा
ESTABLISHED 1996

BBAU NEWSLETTER

Quarterly Newsletter

April-June, 2020

www.bbau.ac.in

फार्मास्यूटिकल विभाग के कैंसर से सम्बंधित शोध पत्र को पुरस्कार

फार्मास्यूटिकल विभाग की प्रोफ़ेसर शुभिनी सर्राफ और उनकी टीम, डॉ0 पूनम पाराशर, डॉ0 मोनिका द्विवेदी, डॉ मीना राठौर द्वारा प्रकाशित कैंसर से संबंधित शोध पत्र को अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 'फार्मास्यूटिकस' द्वारा वर्ष 2019 के 'सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार' के लिए चुना गया है।

पुरुषों में कैंसर से होने वाली मौतों में लगभग 20 प्रतिशत मौंते फेफड़े के कैंसर से होती है। इसके उपचार के लिए कुछ विशेष फलों में पाए जाने वाले एजेंट नैरिंजेनिन के रासायनिक गुणों और कैंसर के उपचार में इसकी उपयोगिता व उपयोग विधि के बारे में इस शोधपत्र में बताया गया है।

Dr Sudeepta Saha gets patents for compound to fight cancer

Dr Sudeepta Saha of the Pharmaceutical department of BBAU has received a patent from the intellectual property India for a compound to fight Hepatocellular Carcinoma.Hepatocellular carcinoma is the third most common cause of cancer worldwide leading to death of 600000 people every year.

He has been granted patent for upto 20 years based on the provisions of the patents act 1970 for this Anti hepatocellular carcinogenic agent.

आंतरिक अंको के आधार पर प्रमोट होंगे विद्यार्थी

विश्वविद्यालय द्वारा कोविड–19 महामारी की वर्तमान स्थिति को देखते हुए और यूजीसी द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की परीक्षा से संबंधित अहम निर्णय लिया गया है। विवि द्वारा यह निर्धारित किया गया है कि अंतिम सत्र के विद्यार्थियों की परीक्षा का मूल्यांकन अंतिम सत्र में कक्षा के दौरान हुई आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अंको के आधार पर 50 प्रतिशत अंक तय किये जाएंगे तथा बाकी के 50 प्रतिशत अंक पिछले सत्र के प्राप्तांकों के आधार पर किये जाएंगे। इसके साथ ही वे विद्यार्थी जो फेल हुए हैं या जिनके पिछले सत्र के अंक उपलब्ध न हो उनका मूल्यांकन असाइनमेंट व अन्य निर्धारित कार्यों के आधार पर किया जाएगा। इसके साथ ही दूसरे सत्र के विद्यार्थियों की परीक्षा भी इसी प्रकार पिछले सत्र के प्राप्तांक के आधार पर 50 प्रतिशत व कक्षा के दौरान हुई परीक्षा के आधार पर 50 प्रतिशत तय किया जाएगा।

बाबासाहेब के आदर्शों को लेकर हम आगे बढ़ रहे - कुलपति

विश्वविद्यालय में 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। लॉकडाउन की वजह से ऑनलाइन आयोजित इस व्याख्यान के वक्ता श्री बृज लाल (पूर्व अध्यक्ष, एससी एसटी आयोग) ने "वर्तमान परिदृश्य में बाबा साहेब की प्रासंगिकता" विषय पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने विवि के सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से विषयवस्तु पर चर्चा की। विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने भी इस अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित किया।

मुख्य वक्ता श्री बृज लाल जी ने कहा कि बाबा साहेब का सम्मान न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में होता है। हम उन्हें संविधान निर्माता के रूप में जानते हैं मगर वह एक बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी थें। वे एक महान अर्थशास्त्री, कानून विद, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ थें। कई सामाजिक विषमताओं के बावजूद उन्होंने संघर्ष किया और शिक्षा प्राप्त की व समाज के सबसे पढ़े लिखे व्यक्ति बन गए। लेबर लॉ और महिलाओं के उत्थान के लिए संविधान में विशेष प्रावधानों का श्रेय भी बाबासाहेब को जाता है। श्री बृज लाल जी ने डॉ0 अम्बेडकर के सामाजिक सुधार के प्रयासों व उनके राजनैतिक सफर पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने बाबा साहेब की दूरदर्शिता के बारे में चर्चा की और बताया कि किस प्रकार बाबा साहेब की सलाह न मान पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री जोगेंद्र नाथ मंडल को पाकिस्तान में समस्याओं का सामना करना पड़ा और आखिरकार उन्हें कुछ वर्षों में पाकिस्तान छोड़कर वापस भारत लौटना पड़ा। उन्होंने इस संबंध में लिखी पुस्तक "जोगेंद्र नाथ मंडल का त्यागपत्र" पढ़ने की सलाह विद्यार्थियों को दी। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब किसी जाति या धर्म के नेता नहीं थे बल्कि सभी के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सदैव राष्ट्र हित में काम किया। कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि आज अम्बेडकर जयंती, हम सभी के लिए बड़ा दिन है, हमारा विवि बाबासाहेब के नाम पर स्थापित है और उन्ही के आदर्शों को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। आज विश्व कोरोनावायरस जैसी वैश्विक महामारी की चपेट में है जिससे निकलने के लिए हम सभी युद्ध स्तर की तैयारी में लगे हैं और प्रत्येक विद्यार्थी, यहां के सभी शिक्षक व कर्मचारीगण इस युद्ध को जीतने में अपना सहयोग दे रहे हैं। जिस प्रकार बाबासाहेब समाज के कल्याण के लिए समर्पित थे उसी प्रकार यह विवि परिवार भी समाज कल्याण को समर्पित है और अपना पूरा प्रयास कर रहा है कि इस समस्या से निपटने में अपना सहयोग दे सके। इस दिशा में विवि द्वारा सैनिटाइजर बनाकर वितरित किया गया, राशन व अन्य ज़रूरी वस्तुओं का वितरण भी विवि परिवार द्वारा किया गया और लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन की वजह से हम इस बार अम्बेडकर जयंती उस भव्यता के साथ नहीं मना सके जैसा कि हम प्रति वर्ष करते थे । इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी शिक्षा जारी रखने का संदेश भी दिया।

सूर्य नमस्कार से जल्द कमजोर होगा कोरोना

कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई को जीतने में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता की बड़ी भूमिका होती है और इसे बेहतर करने में सूर्य नमस्कार बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। सोशल मीडिया साइट यूट्यूब चैनल पर विश्वविद्यालय के कुलपति का एक वीडियो सूर्य नमस्कार के फायदे के सन्दर्भ में प्रदर्शित है।

कुलपति प्रो. संजय सिंह का यह वीडियो विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल पर कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई को जीतने में शरीर की रोग प्रतिरोधकर क्षमता की बड़ी भूमिका है के नाम से साझा किया गया है। इस वीडियो में कुलपति ने सूर्य नमस्कार करके इसके फायदे के बारे में विस्तार से चर्चा किया है। कुलपति ने स्वस्थ रहने और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के टिप्स दिये। कुलपति ने बताया कि सूर्य नमस्कार में कई आसनों व प्राणायामों का समावेश है जो शरीर के साथ ही मन को भी स्वस्थ करता है। इस वीडियो में सूर्यनमस्कार के 12 से लेकर 58 साइकिल तक पूरे किए गए है।

रसायन विज्ञान विभाग ने बनाया सैनिटाइजर

कोरोनावायरस के उपचार के लिए अभी तक कोई दवा या वैक्सीन विकसित नहीं हो सकी है जिसके चलते विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत दुनियाभर के डॉक्टरों ने इससे बचाव ही सबसे बेहतर तरीका माना है, जिसमे हाथों को बार बार सैनिटाइज करना आवश्यक है। इस बात को ध्यान में रखते हुए रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 30 लीटर सैनिटाइजर तैयार किया गया।

रासायन विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 30 मार्च 2020 को आईपीए आधारित यह सैनिटाइजर विकसित किया गया। । यह सैनिटाइजर रासायन विज्ञान विभाग के शोध छात्रों एवं शिक्षकों के संयुक्त प्रयास से बनाया गया है। सैनिटाइजर बनाने का मुख्य उद्देश्य गरीब लोगों तक सैनिटाइजर की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

BBAU
NEWS LETTER
April-June, 2020

कोविड-19 एक बड़ी समस्या है जिसने पूरे विश्व को बुरी तरह से प्रभावित किया है - कुलपति

विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ पोस्टग्रेजुएट लीगल स्टडीज और डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमन राइट्स के संयुक्त तत्वावधान में "क्वारन्टीन एंड प्रीवेंशन ऑफ डिज़ीज़: इंटरनेशनल एंड कंपैरेटिव लॉ पर्सपेक्टिव" विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के संरक्षक कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि कोविड–19 एक बड़ी समस्या है जिसने पूरे विश्व को बुरी तरह से प्रभावित किया है। इससे बचाव ही एकमात्र विकल्प हमारे पास मौजूद है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वैक्सीन नहीं बन सकी है। इस दृष्टिकोण से यह वेबिनार हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है। इस समय हम स्वस्थ कैसे रहें? किन चीजों से बचें? क्या उपाय करें इसकी जानकारी होना बेहद आवश्यक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और हमारी सरकार द्वारा भी क्वारन्टीन से जुड़ी गाइडलाइन्स जारी की गई हैं जिसकी जानकारी और कड़ाई से पालन, दोनों आवश्यक है। इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में कई देशों से जुड़े प्रतिभागियों को कुलपति महोदय ने योग, मेडिटेशन और प्राणायाम करने की सलाह दी और साथ ही बताया कि भारतीय खानपान की संस्कृति में हम रोज़ाना हल्दी, अदरक, लहसुन, धनिया जैसे मसालों का प्रयोग करते हैं जो इम्युनिटी को बढ़ाने में मददगार है और इम्युनिटी बढ़ा कर ही हम कोरोना को हरा सकते हैं।

वेबिनार की मुख्य वक्ता प्रो0 जीवा निरेला, डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंड इंटरनेशनल लॉ, फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबो, ने क्वारन्टीन और आइसोलेशन से जुड़े नियमों के बारे में चर्चा की और बताया कि प्लेग के फैलने के बाद यूरोपियन देशों द्वारा पहली बार आइसोलेशन से जुड़े नियम बनाए गए उसके बाद सार्स, इबोला, इन्फ्लूएंजा जैसी कई महामारियों के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2005 में विश्व स्वास्थ्य कानून बनाया गया ताकि ऐसी बीमारी के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसार को रोका और नियंत्रित किया जा सके। इस वेबिनार की निर्देशक प्रो0 प्रीति सक्सेना ने भारतीय संविधान में दर्ज एपिडेमिक डिसीज़ एक्ट के बारे में बताया । इस वेबिनार में डॉ सूफिया अहमद, डॉ0 शशि कुमार एवं डॉ0 राशिदा अतहर के साथ अन्य शिक्षकगण मौजूद रहें ।

विश्वविद्यालय में ऑनलाइन पी.एच.डी. वाइवा

विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह के मार्गदर्शन में विवि द्वारा COVID-19 महामारी की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, पीएचडी की डिग्री अवार्ड करने की प्रक्रिया से जुड़ी कुछ नई गाइडलाइन्स जारी की गई हैं ताकि संक्रमण के फैलने के खतरे को कम किया जा सके और ऑनलाइन माध्यमों का बेहतर उपयोग कर पीएचडी डिग्री प्रदान की जा सके। यह गाइडलाइंस यूजीसी द्वारा दिये गए दिशानिर्देशों पर आधारित हैं। प्रो0 मनीष वर्मा, विवि परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि कोविड–19 के प्रसार से बचने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि पीएचडी थीसिस को मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ के ईमेल पर भेजा जाएगा। सीओई के ईमेल पर प्राप्त थीसिस मूल्यांकन रिपोर्ट को प्रामाणिक माना जाएगा और इसका उपयोग आगे की सभी प्रक्रिया में किया जाएगा। पीएचडी के लिए मौखिक परीक्षा स्काइप या अन्य ऑनलाइन माध्यमों पर आयोजित की जाएगी । अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ मौखिक परीक्षा की रिपोर्ट प्राप्त होने पर, विवि के परीक्षा नियंत्रक, अनुसंधान डिग्री समिति (आरडीसीयू) की बैठक बुला सकते हैं, जिसके आधार पर पीएचडी की डिग्री सीओई द्वारा जारी की जाएगी और उसी की एक स्कैन की गई कॉपी संबंधित शोध छात्र को ईमेल द्वारा भेजी जाएगी।

कोरोना से जंग में एनसीसी कैडेट्स भी मैदान में

कोरोना से जंग में एनसीसी कैडेट्स भी मैदान में गए हैं। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिक्षा ऐप्प की सहयता से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 'ऑनलाइन प्रशिक्षण' में बीबीएयू एनसीसी की 18 वर्ष से अधिक उम्र वाली 59 गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभागिता दर्ज की और सफलता प्राप्त की।

गौतम बुध केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा रिमोट एक्सेस सिस्टम सेवा

गौतम बुध केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा लॉकडाउन के दौरान लगभग 7000 ई–जर्नल जो कि मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के कंसोर्सियम के माध्यम से प्राप्त हैं व अन्य ऑनलाइन रिसोर्सेज के माध्यम से उपयोग किए जाते हैं इन विभिन्न माध्यमों से पासवर्ड लेकर पाठकों को उनके घर तक उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। डॉ. सुनील गोरिया, पुस्तकालयाध्यक्ष ने बताया कि इस सिस्टम से शिक्षक व विद्यार्थीगण अपने घर बैठे पढ़ सकते हैं। सभी शोध छात्रों व शिक्षकों को यूजर आईडी व पासवर्ड दिया गया है।

गोद लिए गाँवो की विश्वविद्यालय शिक्षकों ने जानी समस्या

उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर प्रोफेसर नवीन कुमार अरोरा एवं समन्वयक प्रोफेसर शिल्पी वर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांचों गांवों, दादूपुर, औरावा, रामचौरा, चकौली, मीरानपुर पिनवट के प्रधान एवं खंड विकास अधिकारी से मिलकर लॉकडाउन के समय उनकी समस्याओं को जाना और उसका निवारण भी साझा किया । ग्राम प्रधानों को प्रोफेसर नवीन कुमार अरोरा ने बताया कि आप सभी लोग आपस में 2 गज की दूरी का पूरा ध्यान रखें क्योंकि कोई भी कोरोनावायरस से संक्रमित हो सकता है चाहे उसमें कोई लक्षण दिख रहे हों या नहीं। यदि कोई व्यक्ति गांव में बाहर से आता है तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, 14 दिनों के लिए उन्हें क्वारन्टीन करवाएं, फसल की कटाई में भी सामाजिक दूरी का पालन करें।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "टाइम फ़ॉर नेचर" प्रतियोगिता

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय द्वारा "टाइम फ़ॉर नेचर" विषय पर आयोजित ई पोस्टर प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल, दिल्ली, केरल, उत्तर प्रदेश और हैदराबाद से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और कुल 60 पोस्टर प्राप्त हुए।इस प्रतियोगिता के विजेता निम्न है –हर्षिता (नर्सिंग कॉलेज, एस.जी.पी.जी.आइ. एम.एस. लखनऊ), भारत धीमान और अमित कुमार (बी.बी.ए.यू.), निशू कनौजिया (बी.बी.ए.यू.), आयुष वार्ष्णेय (श्री अरबिंदो कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली), अनन्या श्रीवास्तव (बी.बी.ए.यू.) सुगंधा यादव (बी.बी.ए.यू.), आनंद झा और रिचा पांडे (बी.बी.ए.यू.)।

BBAU NEWS LETTER

DST and DES Organized workshop

Department of Environmental Science andDST-Centre for Policy Research organized an international workshop for international participants from Inland University, Norway on the theme of technology-led innovation and sustainability. The participants from Norway shared their experience of participatory development in India and how people-based approach could be used towards improving the access to technology to the marginalized, underprivileged and poor people. Speaking on the occasion, Varun Vidyarthi, founder of Manvodaya said that successful facilitation of people based development calls for a clear vision and strategy as well as a suitable attitude among policy practitioners. He also stressed upon the need for facilitation, training and capacity building for the successful deployment of affordable technologies in the areas of agriculture start-up, health care and water. Dean of the School, Prof. S. K. Dwivedi said that academicians and researchers should also work in grassroots setting in villages for enhancing the research output. Dr. Venkatesh Dutta, Convener of the programme said that there are many areas where meaningful intervention is required for social change and community development.

विश्वविद्यालय में शहीद हुए सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए शोक सभा

लेह लद्दाख की गलवान घाटी में भारत की अखण्डता एवं सम्प्रभुता की रक्षा करते हुए भारतीय सैनिकों की चीन के साथ हुई झड़प में शहीद हुए सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए दिनांक 18 जून 2020 को सांय 05:30 बजे बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिवार द्वारा विश्वविद्यालय के अम्बेडकर भवन के प्रांगण (भूतल) में शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह समेत समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने मिलकर शहीदों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा देश व शहीदों के परिवारों को इस अपूर्णनीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने एवं शहीदों की आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। विवि ऐसे कृत्य की घोर भत्सना करता है। सम्पूर्ण विवि परिवार की तरफ से शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

मीडिया सेंटर को मिला मूक्स से जुड़े कार्यक्रमों के अनुवाद का प्रोजेक्ट

विश्वविद्यालय के मीडिया सेंटर को भी मूक्स से जुड़े कार्यक्रमों के अनुवाद का प्रोजेक्ट सीईसी द्वारा दिया गया है। विवि के मीडिया सेंटर के डायरेक्टर प्रो0 गोपाल सिंह ने बताया कि हमारे मीडिया सेंटर को ह्यूमन राइट्स, इकोनॉमिक्स और पॉलिटिकल साइंस के लगभग 800 मोड्यूल अनुवाद के लिए दिए गए हैं। अंग्रेजी में बने ये मॉड्यूल हिंदी में अनुवादित किए जाने के बाद एमएचआरडी के स्वयं–प्रभा डीटीएच चैनलों व सीईसी के यूट्यूब चैनलों पर प्रसारित किए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बीबीएयू में 'योगा@आवास'

कुलपति प्रो. संजय सिंह ने की प्रतिदिन योग करने की अपील

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चल रहे तीन दिवसीय दूरस्थ योगा कार्यक्रम, 'योगा/आवास', सकुटुंब योगा के आखरी दिन दिनांक 21 जून को ऑनलाइन माध्यम से योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने सभी से प्रतिदिन योग करने की अपील की और बताया कि बेहतर मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्राप्त करने के लिए योग आवश्यक है। हम सभी को मिलकर इसे आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। योगा वैलनेस सेन्टर की विशेषज्ञ ने सभी को शिथिलीकरण और प्राणायाम करवाया और प्रत्येक प्रक्रिया से शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों की भी जानकारी दी। योग गुरु श्री अश्विनी कुमार ने मानव जीवन मे योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि योग व्यष्टि को समष्टि से, आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। हमें योग को जीवन शैली के रूप में अपनी दिनचर्या मे शामिल करना चाहिए। परिवार को समाज से, समाज को राष्ट्र से और राष्ट्र को विश्व से जोड़ना ही योग है। जीवन की सार्थकता तभी है जब हम अपने कृत्यों से अपने परिवार, समाज, राष्ट्र व सम्पूर्ण विश्व की भलाई कर सकें। योग इस दिशा में हमारी मदद करता है जिसकी सहायता से हम सम्पूर्ण विश्व का कल्याण कर सकते हैं। अंत में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ0 हरिशंकर सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

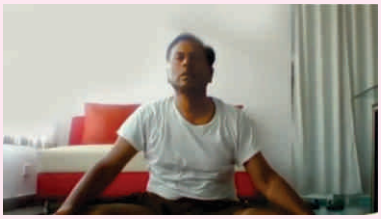

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कुलपति आचार्य संजय सिंह ने तथागत भगवान बुद्ध को नमन किया

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने तथागत भगवान बुद्ध को नमन किया और विवि प्रांगण में स्थित बोधि वृक्ष पर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो0 एस0 विक्टर बाबू, डीएसडब्लू प्रो0 बी0 एस0 भदौरिया, प्रॉक्टर प्रो0 बी0 बी0 मलिक समेत अन्य शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

फील्ड वर्क में ऑब्जर्विंग पावर सबसे जरूरी - रतन सिंह

विधि विभाग द्वारा 30 मई 2020 को "मेथड्स ऑफ लीगल रिसर्च" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता पंजाब यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज के निदेशक प्रो0 रतन सिंह ने रिसर्च के बारे में विस्तार में समझाते हुए बताया कि आज के समय में रिसर्च समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका रखती है। वहीं विधिक कानून और समाज एक दूसरे से बराबर जुड़े हुए हैं। आगे उन्होंने रिसर्च के प्रकार और तरीकों के बारे में बताया जिसमें उन्होंने बताया कि फील्ड वर्क रिसर्च का सबसे जरूरी भाग है। फील्ड वर्क में ऑब्जर्विंग पावर सबसे जरूरी है। उदाहरण के तौर पर उन्होंने आज के समय में मजदूरों के पलायन की समस्या पर चर्चा करते हुए कहा कि घर बैठकर या टीवी पर देखकर मजदूरों के किन–किन अधिकारों का हनन हो रहा है यह बताया नहीं जा सकता, फील्ड वर्क करके ही असली रिपोर्ट सामने आ सकती हैं। वेबिनार की अध्यक्ष प्रो०सुदर्शन वर्मा ने कहा कि कोविड–19 के कारण हुए लॉकडाउन से सभी काम ठप पड़े हुए हैं पर शिक्षा का कार्य नही रुक सकता है। इस दिशा में नियमित शिक्षा के लिए वेबिनार व ऑनलाइन क्लासेस काफी मददगार रही है। ये हम सभी की मेहनत का नतीजा हैं कि आज हमने केंद्र सरकार की गाइडलाइन्स को ध्यान में रखते हुए इस राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया है।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग करेगा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गोविंद जी पांडेय ने सूचना दी है की दिनांक 17 जुलाई को "रोल ऑफ मीडिया इन कोविड क्राइसिस" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जायेगा। इस वेबिनार में हेल्थ कम्युनिकेशन के विषेशज्ञ डॉ. अनुकरण दत्ता ,सारा चिन्नास्वामी केसाथ देश के कई विशेषज्ञ शामिल होंगे।

"वॉइसेस ऑफ जेंडर इक्वैलिटी इन इंडियाज़ इंटेलेक्चुअल ट्रेडिशन" विषय पर वेबिनार

विश्वविद्यालय की 'महिलाओं की बुनियादी सुविधाओं के लिए समिति (सी0 बी0 एफ0 डब्ल्यू0)' द्वारा दिनांक 15 जून 2020 को "वॉइसेस ऑफ जेंडर इक्वैलिटी इन इंडियाज़ इंटेलेक्चुअल ट्रेडिशन" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के संरक्षक विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने आदिकाल से भारतीय संस्कृति में महिलाओं की सम्मानजनक स्थिति पर चर्चा करते हुए अहिल्या और चिनम्मा जैसे उदाहरणों को प्रस्तुत किया जिन्होंने विभिन्न रूपों में समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में हम जो लैंगिक विसंगतियां देख रहे हैं वह चर्चा का विषय है। हमें इसके कारणों पर चर्चा करके ऐसी सामाजिक बुराई को दूर करने के उपाय तलाशने होंगे। साथ ही उन्होंने सभ्य समाज के गठन के लिए मनुष्य के शारिरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को आवश्यक बताया।

मुख्य अतिथि प्रो0 चंद्रकला पाडिया, फॉर्मर चेयरपर्सन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला, ने बताया कि वेदों उपनिषदों के अध्ययन से पता चलता है कि भारतीय समाज सैद्धांतिक रूप से कितना सम्पन्न है जिसमें महिलाओं को पुरुषों के बराबर का दर्जा प्राप्त है। डॉ0 नमिता जैसल ने वेबिनार का संचालन किया।

विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ रैंकिंग में प्रगति

विश्वविद्यालय की इस वर्ष की एनआईआरएफ रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। वर्ष 2019 में बीबीएयू की रैंकिंग 200 से ऊपर थी । विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने इस वर्ष यह रैंकिंग सुधार ली है और इस वर्ष 2020 में विवि 101 से 150 की रैंकिंग में शामिल हो चुका है जो एक उपलब्धि है। आगे इस रैंकिंग को और बेहतर बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है।

कोरोना वायरस डिजीज अवेयरनेस पर ऑनलाइन क्विज 2020

विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 10.06.2020 "कोरोना वायरस डिजीज (कोविद–19) अवेयरनेस ऑनलाइन क्विज 2020" का आयोजन किया गया। जिसमे कुल 352 आवेदकों ने पंजीकरण कराया ।यह कार्यक्रम "द एशियन असोसिएशन ऑफ शुगर केन टेक्नोलॉजिस्ट्स, लखनऊ" के साथ मिलकर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह के संरक्षण में आयोजित किया गया, इसके संयोजक प्रो0 कमान सिंह, विभागाध्यक्ष, रसायन विभाग, सह–संयोजक प्रो0 गजानन पांडेय, समन्वयक डॉ0 अंजनी कुमार तिवारी रहें ।

इनफॉरमेशन लिटरेसी टू फाइट एपिडेमिक" विषय पर हुए वेबिनार में 2952 लोगो ने किया ऑनलाइन पंजीकरण

दिनांक 22 मई 2020 को "इनफॉरमेशन लिटरेसी टू फाइट एपिडेमिक" विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। यह वेबिनार डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन साइंस द्वारा आयोजित किया गया। वेबिनार की मुख्य वक्ता प्रोफेसर देविका पी0 मदाली (बैंगलोर) रही।वेबिनार के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने भी इस वेबिनार के माध्यम से कोविड 19 से जुड़ी भ्रामक जानकारियों के प्रवाह के कारण बढ़ रही समस्याओं पर बात की। उन्होंने कहा कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कई गलत सूचनाएं इस महामारी के बारे में फैलाई जा रही है जिसके चलते लोगों में डर की स्थिति है। यह गलत सूचनाएं हमारे समाज में एक दूसरी महामारी की तरह है जो कई अन्य समस्याओं को जन्म दे रही है। सूचनाओं की सत्यता की पुष्टि होनी चाहिए और इस दिशा में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के द्वारा उठाया जा रहा यह कदम प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं इस वेबिनार के माध्यम से आम लोगों तक कोविड–19 से जुड़ी सही जानकारियां पहुचेंगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन शिविर

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ तरुणा व डॉ रमेश कुमार चतुर्वेदी द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन शिविर का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस शिविर में सभी कार्यकर्ताओं ने अपने द्वारा बनाए गए फेस मास्क का प्रदर्शन किया। इन सभी कार्यकर्ताओं द्वारा बनाए गए मास्क से बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय मास्क बैंक बना रहा है जिसे आसपास के बेसहाराओं निर्धन व्यक्तियों को वितरित किया जाएगा और साथ ही उसी दौरान कोरोना वायरस महामारी के विषय में जागरूकता फैलाई जाएगी। इस कार्यक्रम के समापन पर डॉ तरुणा ने सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया और उन्हें शुभकामनाएं दी।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
•LUCKNOW•
प्रज्ञा शील करुणा
ESTABLISHED 1996

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ–226025

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
(A Central University)
Vidya Vihar, Rae Bareli Road, Lucknow-226025

प्रवेश सूचना (2020–21)

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, मुख्य एवं सेटेलाइट परिसर टीकरमाफी, अमेठी में, विभिन्न पाठयक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है। ऑनलाइन पंजीकरण दिनांक 27.05.2020 से प्रारम्भ हो गया है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 31.07.2020 से बढ़ाकर 10.08.2020 कर दी गयी है। विस्तृत विवरण के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट को देखें।

कुलसचिव

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University
(A Central University)
Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226025, Uttar Pradesh, India
Patron : Prof. Sanjay Singh, Vice Chancellor, BBAU
Editorial Advisors : Prof. Gopal Singh, Prof. Govind Ji Pandey, Dr. Mahendra Kr. Padhy, Dr. Rachana Gangwar, Dr. Loknath, Dr. K.S. Bahadur, Dr. A.K. Singh
Issue Editor : Dr. K.S. Bahadur